कुल पृष्ठ संख्या–32 (कवर पेज सहित)

क्रम संख्या....

माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, राजस्थान, अजमेर

उच्च माध्यमिक परीक्षा

(परीक्षार्थी द्वारा स्वयं भरा जाना चाहिये)

Candidate's Roll No. In English

(In Figures)

(In Words) .....

परीक्षार्थी का नामांक हिन्दी में

शब्दों में .....

नोट :– परीक्षार्थी उपरोक्त के अतिरिक्त उत्तर पुस्तिका के अन्य किसी भी भाग में अपना नामांक नहीं लिखें।

माध्यम – हिन्दी [✓] अंग्रेजी [ ]

विषय ..... हिन्दी .....

परीक्षा का दिन ..... शनिवार .....

दिनांक ..... 9/03/19 .....

नोट :– परीक्षार्थी के लिए आवश्यक निर्देश इस पृष्ठ के पिछले भाग पर उल्लेखित हैं। जिन्हें सावधानी पूर्वक पढ़ लें व पालना अवश्य करें।

परीक्षक हेतु निर्देश :– (1) परीक्षक को उपरोक्त सारणी अनुसार प्राप्तांक भरना अनिवार्य हैं, अन्यथा नियमानुसार दंडित किया जायेगा।

(2) परीक्षक उत्तर पुस्तिका के अन्दर के पृष्ठों के बायीं ओर निर्धारित कॉलम में लाल इंक से अंक प्रदत्त करें।

(3) कुल योग भिन्न में प्राप्त होने पर उसे पूर्णांक में ही परिवर्तित कर अंकित करें (उदाहरणार्थ : 15 ¼ को 16, 17 ½ को 18, 19 ¾ को 20)

प्रश्नवार प्राप्तांकों की सारणी (परीक्षक के उपयोग हेतु)

प्रश्नों की क्रम संख्या	प्राप्तांक	प्रश्नों की क्रम संख्या	प्राप्तांक
1		19	
2		20	
3		21	
4		22	
5		23	
6		24	
7		25	
8		26	
9		27	
10		28	
11		29	
12		30	
13		31	
14		योग	
15		प्राप्त अंकों का कुल योग (Round off)	
16		अंकों में	शब्दों में
17			
18			

परीक्षक के हस्ताक्षर .....

संकेतांक

प्रमाणित किया जाता है कि इस उत्तर पुस्तिका के निर्माण में 58 जी.एस.एम. क्रीमवोव कागज का उपयोग में लिया गया है। 165/2019

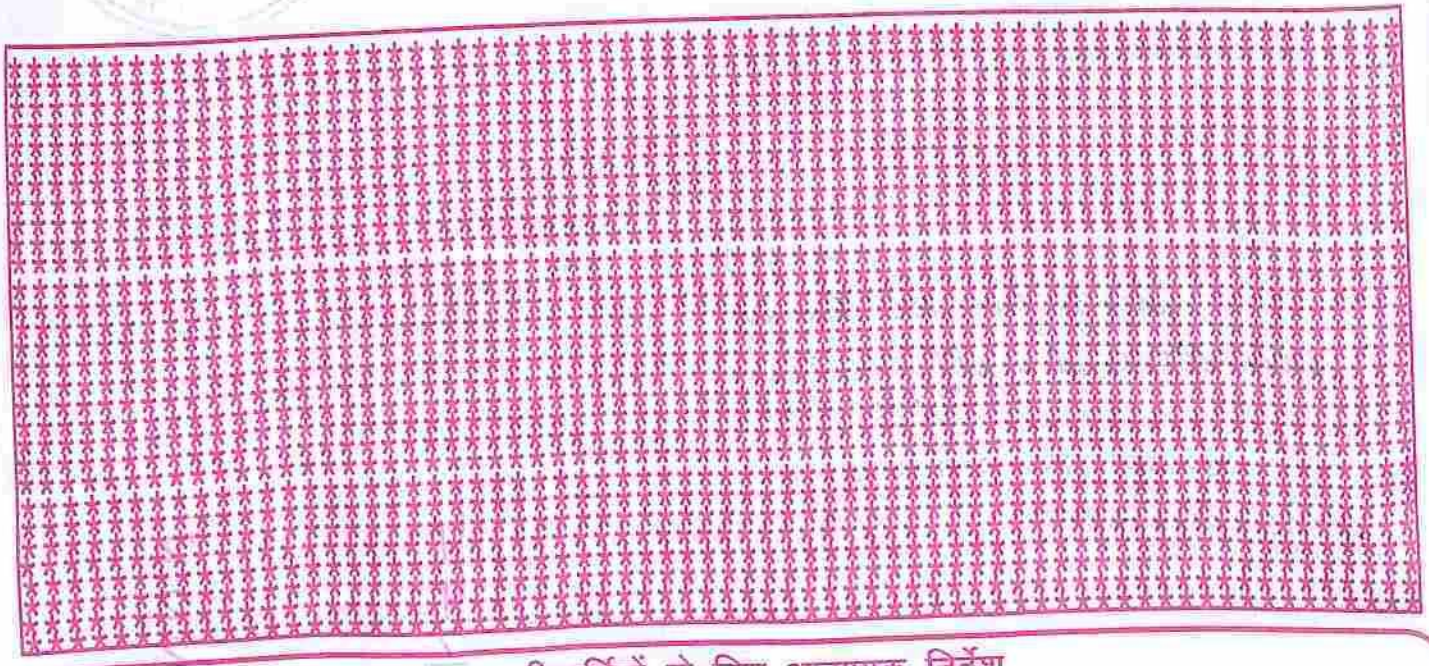

परीक्षार्थियों के लिए आवश्यक निर्देश

1. समस्त प्रश्नों का हल निर्धारित शब्द सीमा में इसी उत्तर पुस्तिका में करना है। विशेष परिस्थिति में अतिरिक्त उत्तर पुस्तिका पृथक से उत्तर पुस्तिका भरी हुई होने पर पर्यवेक्षक एवं वीक्षक की अनुशषां पर ही उपलब्ध कराई जायेगी।
2. प्रश्न–पत्र पर निर्धारित स्थान पर अपना नामांक लिखें।
3. प्रश्न–पत्र हल करने के पश्चात् जिस पृष्ठ पर हल समाप्त होता है, उस पर अन्त में "समाप्त" लिखकर अन्त के सभी रिक्त पृष्ठों को तिरछी लाईन से काटें।
4. निम्न बातों का विशेष ध्यान रखें अन्यथा अनुचित साधनों की रोकथाम अधिनियम के तहत कार्यवाही की जा सकेगी।
   (i) उत्तर पुस्तिका के ऊपर/अन्दर तथा प्रश्नोत्तर के किसी भी भाग में चाही गई सूचना के अलावा अपना नामांक, नाम, पता, फोन नम्बर अथवा पहचान की कोई अन्य प्रकार की सूचना आदि अंकित नहीं करें अन्यथा "अनुचित साधनों के प्रयोग" के अन्तर्गत कार्यवाही की जावेगी।
   (ii) उत्तर पुस्तिका के पृष्ठों को फाड़ें नहीं। उत्तर–पुस्तिका के मुख पृष्ठ पर अंकित संख्या के अनुसार पृष्ठ पूरे होने चाहिये। परीक्षार्थी उत्तरपुस्तिका प्राप्त करते ही पृष्ठ संख्या की जांच कर लें यदि पृष्ठ कम/अधिक या क्रम में नहीं हैं तो वीक्षक से तुरन्त बदलवा लें।
   (iii) परीक्षा केन्द्रों पर पुस्तक, लेख, कागज, केलक्यूलेटर, मोबाईल, पेजर आदि किसी भी प्रकार का इलेक्ट्रोनिक उपकरण तथा किसी भी प्रकार का हथियार आदि ले जाना निषेध हैं।
   (iv) बस्त्र, स्केल, ज्योमेट्री बॉक्स पर कुछ न लिखकर लावें। टेबुल के आस–पास कोई अवैध सामग्री नहीं होनी चाहिये, इसकी जांच कर लें।
   (v) अपनी उत्तर पुस्तिका/ग्राफ/मानचित्र आदि परीक्षा भवन से बाहर ले जाना दण्डनीय अपराध है, अतः परीक्षा समाप्ति पर उत्तर पुस्तिका वीक्षक को बिना सौंपे परीक्षा कक्ष नहीं छोड़ें।
5. उत्तरों को क्रमानुसार एक ही स्थान पर लिखें। प्रश्न क्रमांक भी सही अंकित करें, अन्यथा दण्ड स्वरूप परीक्षक को 1 अंक कम करने का अधिकार है। बीच में उत्तर पुस्तिका के पृष्ठ रिक्त न छोड़ें। गणित विषय के लिए रफ कार्य उत्तर पुस्तिका के अंतिम पृष्ठों पर करें तथा तिरछी रेखा से काटें।
6. जहाँ तक हो सके प्रश्न के सभी भाग के उत्तर, उत्तर पुस्तिका में एक ही स्थान पर अंकित करें।
7. भाषा विषयों को छोड़कर शेष सभी विषयों के प्रश्न–पत्र हिन्दी–अंग्रेजी दोनों भाषा में मुद्रित है। किसी भी प्रकार की त्रुटि/अन्तर/विरोधाभास होने पर हिन्दी भाषा के प्रश्न को ही सही माना जाये।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या

परीक्षार्थी उत्तर

खण्ड - ख

3.

(अ)

उत्तर भाषा और बोली में अन्तर निम्नलिखित है -

(i) भाषा व्यापक तथा असीमित क्षेत्र में बोली जाती है जबकि बोली स्थानीय बोल-चाल व सीमित क्षेत्र में बोली जाती है।

(ii) भाषा व्याकरण के नियमों से सम्बद्ध होती है जबकि बोली में व्याकरण के नियमों का पालन नहीं होता है।

(iii) भाषा का अपना एक मानक रूप होता है जबकि बोली का अपना मानक रूप नहीं होता है।

(ब)

उत्तर भाषा के दो रूप होते हैं -

i) मौखिक रूप ii) लिखित रूप

i) मौखिक रूप :- भाषा का ऐसा रूप जिसमें व्यक्ति अपने विचारों को बोलकर प्रकट करता है।

ii) लिखित रूप :- भाषा का ऐसा रूप जिसमें व्यक्ति अपने विचारों को लिखकर प्रकट करता है।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

4.
(अ) वाह → विस्मयादिबोधक अव्यय

(ब) रोज → विशेषण

5.
उत्तर उपर्युक्त वाक्य में लक्षणा शब्द शक्ति है।

परिभाषा :- जहां मुख्यार्थ अथवा वाच्यार्थ में बाधा होने पर अन्य अर्थ लक्ष्यार्थ के रूप में प्रकट हो, लक्षणा शब्द शक्ति होती है।

6.
उत्तर उपर्युक्त काव्य पंक्तियों में विरोधाभास अलंकार है।

परिभाषा :- जहां वास्तविक विरोध न होते हुए भी विरोध का आभास हो, वहां विरोधाभ अलंकार होता है।

पंक्ति में विरोधाभास अलंकार इसलिए है क्योंकि

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर

इसमें श्याम रंग लगने के कारण भी उज्ज्वलता प्रकट हो रही है अर्थात वास्तविक विरोध न होते हुए भी विरोध का आभास हो रहा है।

7.
(अ)
उत्तर Eligible → पात्र

(ब)
उत्तर Gazett → राजपत्र

खण्ड - क

1.
(अ)
उत्तर एक साहित्यकार का आदर्श यह होना चाहिए कि उसके लिए कर्म की आवश्यकता न हो तथा कर्माभाव ही उसका गुण हो, क्योंकि अवसर कर्म अपने साथ पक्षपात और संकीर्णता को भी लाता है।

(ब)
उत्तर धार्मिकता का अभिमान रखने वाला ईश्वर की दया का पात्र नहीं हो सकता क्योंकि वह धार्मिक होकर भी धार्मिकता पर गर्व अथवा अभिमान करता है। वह धार्मिक होते हुए भी धार्मिकता का असली महत्व नहीं जान सकता है।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

2. (अ)

उत्तर उन्नति के संदर्भ में मनुष्य की यह विशेषता है कि जो व्यक्ति गिरकर दोबारा उठता है अर्थात विपरीत परिस्थितियों का सामना करके आगे बढ़ता है वही जीवन उन्नति करता है।

(ब)

उत्तर प्रस्तुत काव्यांश हमें ये प्रेरणा देता है कि मनुष्य को कभी जीवन में निराश होकर हार नहीं माननी चाहिए तथा असफलता मिलने पर भी संघर्ष जारी रखना चाहिए तभी व्यक्ति अपने जीवन में प्रगति कर सकता है।

खण्ड - ग

10.

उत्तर आ जा बचपन _____ कुटिया मेरी ॥

सन्दर्भ - प्रस्तुत पद्यांश हमारी हिन्दी पाठ्यपुस्तक 'सृजन' में कवयित्री 'सुभद्रा कुमारी चौहान' द्वारा रचित 'मेरा नया बचपन' कविता से उद्धृत है।

प्रसंग - इस पद्यांश में कवयित्री अपनी बचपन की यादों को याद करके भावुक हो रही है।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर

व्याख्या - कवयित्री अपने बचपन को याद करके कह रही है कि बचपन एक बार पुनः मेरे जीवन में आकर अपनी निर्मल शान्ति दे जा। कवयित्री बताती है बचपन में बिलकुल भी व्याकुलता नही होती थी तथा शांति का अनुभव होता था। बचपन में वह प्यारी सी सरलता, निस्वार्थ मुसकान तथा बचपन का वह निष्पाप जीवन वर्तमान के संताप से बहुत ही ज्यादा अच्छा था। कवयित्री इन मधुर यादों को याद करके कहती है कि क्या मेरे जीवन में पुनः वह बचपन लौट सकता है। कवयित्री कहती है कि मैं बचपन को पुनः अपने जीवन में बुला रही थी कि मेरी बेटी बोल उठी। इससे मेरा घर - आंगन नंदन वन सा झूम उठा।

विशेष - i) कवयित्री ने इस कविता के माध्यम से अपनी संवेदनाएं व्यक्त की है।

ii) भाषा सरल, बोधगम्य और प्रतीकात्मक है।

11. उत्तर यहां मुझे - - - - - - - सद्भाव की घटी।

सन्दर्भ - प्रस्तुत गद्यांश हमारी पाठ्यपुस्तक 'सृजन' में लेखक 'जैनेन्द्र कुमार' द्वारा लिखे गए अध्याय 'बाजार दर्शन' से लिया गया है।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर

प्रसंग - प्रस्तुत गद्यांश में लेखक ने यह बताया है कि बाजार की सार्थकता किस कार्य में है।

व्याख्या - लेखक कहते है कि उन्हें मालूम होता है कि बाजार को सार्थकता सिर्फ वे ही लोग दे सकते है कि जो ये जानते है कि उनकी आवश्यकता क्या है। वे लोग कदापि नहीं जो ये नहीं जानते कि उनकी जरूरते क्या है। ऐसे लोग अपनी पर्चेजिंग पावर अर्थात क्रय-शक्ति का उपयोग करके केवल बाजार का बाजारुपन बढ़ाते है। ऐसे लोग बाजार को न तो कोई लाभ दे सकते है और न ही वे स्वयं बाजार का लाभ उठा सके है। बाजारुपन का अर्थ होता है - बाजा में छल, कपट, अविश्वास आदि को बढ़ान इन सब के कारण ही बाजार से लोग अनावश्यक वस्तुएं खरीद लेते है तथा उन लोगो का शोषण होता है जो लोग गरीब होते है अर्थात जिनकी क्रय शक्ति कम होती है।

विशेष - i) लेखक ने यथार्थता को व्यक्त किया है।

ii) लेखक की मनोवैज्ञानिक अभिव्यक्ति प्रदर्शित हुयी है।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

12

उत्तर सहजता एवं सरलता - - - - - - - कीजिए।

'तौलिए' नामक एकांकी 'उपेन्द्रनाथ अश्क' द्वारा लिखी गयी है। प्रस्तुत पंक्ति के माध्यम से उन्होंने यह सिद्ध किया है कि मनुष्य को सच्चा आनन्द अपने जीवन की सादगी एवं सरलता से मिलता है जबकि बाहरी दिखावे एवं आडम्बर से नहीं। इस एकांकी में मुख्य पात्र वसन्त और मधु के द्वारा यह बताया गया है कि मधु साफ-सफाई एवं स्वच्छता रखने वाली आडम्बर प्रिय नारी है जबकि वसन्त का यह मानना है कि जीवन में स्वच्छता होनी चाहिए परन्तु स्वच्छता को सनक नहीं बनाना चाहिए। वह इस बात में यकीन करता है कि बाहरी दिखावे से केवल रिश्तो में खटास आती है बल्कि मधुरता नहीं। इसलिए वह मधु को ये विश्वास दिलाने का प्रयत्न करता है कि हमारे अंदर आंतरिक स्वच्छता होनी चाहिए ~~कि~~ न कि स्वच्छता का कोरा आडम्बर करना चाहिए। मधु के इस आडम्बर के कारण ही उसके तथा वसन्त के मध्य वैचारिक मतभेद होता है। इसलिए लेखक के इस अध्याय से यह सिद्ध होता है कि जीवन में असली खुशी बाह्य तड़क-भड़क में नहीं बल्कि अन्दर की दृढ़ता में होती है।

P.T.O.

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

13.
उत्तर 'उषा' कविता में कवि ने प्रातः कालीन सूर्योदय का मनोरम चित्र प्रस्तुत किया है। कवि 'शमशेर बहादुर सिंह' ने बताया कि सूर्योदय से पहले आकाश नीले शंख के समान दिखाई देता है और जब उसके उसमें सूर्य की किरणों प्रकाश गिरता है तो ऐसा दिखाई देता है जैसा केसरी बर्फ पिघल रही हो। जब सूर्य की किरणें कुछ और उभरने लगती है तो ऐसा आभास होता है कि काले रंग की स्लेट रूपी आकाश पर किसी ने लाल खड़िया चॉक मल दी हो। पूरे आकाश में सूर्य की किरणें कवि को इस प्रकार लहराती हुई प्रतीत होती है मानो जैसे कि सरिता में कोई गौरी देह झिलमिल कर रही हो। इस प्रकार कवि ने नये उपमानों का प्रयोग करके प्रातःकालीन सूर्योदय का अतीव ही आनन्ददायक चित्रण प्रस्तुत किया है।

14.
उत्तर प्रस्तुत पंक्ति का अर्थ है - महाभारत में भगवान श्रीकृष्ण ने अपने परम मित्र अर्जुन के लिए रथ चलाया था। इस पंक्ति के माध्यम से कवि रहीम ये कहना चाहते कि सच्चा मित्र हर परिस्थिति में हमारे साथ होता है चाहे वो हमारे लिए मुसीबत का समय ही क्यों न हो।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

15.
उत्तर गोपियों के लिए श्रीकृष्ण की स्मृति दिलाने वाली सभी वस्तुएं संतापदायक इसलिए बन गयी है क्योंकि अब कृष्ण उनके साथ नहीं थे। वे मथुरा चले गए थे। इसलिए गोपियां श्रीकृष्ण के साथ बितायी हुई रास-क्रीड़ा तथा मधुर घड़ियों को संतापदायक बताती है और उद्धव के योग-सन्देश की बाते सुनकर ये सब उनके लिए और भी अधिक पीड़ाजनक हो रहा है।

16.
उत्तर मेहनत लोगों के श्रम और उनकी मजदूरी के मूल्य को केवल पैसो के बदले नहीं चुकाया जा सकता है क्योंकि मजदूरी करते समय उन्होंने अपने शरीर के प्रत्येक अंग का उपयोग किया होता है इसलिए उनकी मजदूरी उनसे मधुरतापूर्वक व्यवहार करके तथा उनके प्रति कृतज्ञता प्रकट करके चुकाया जा सकता है।

17.
उत्तर लेखक ने कौसानी की तुलना स्विट्जरलैण्ड से इसलिए की है क्योंकि जो अनुभूति और खुशी हमें स्विट्जरलैण्ड से मिलती है वही कौसानी में भी। लेखक कौसानी पहुंचकर वहां के हिम शिखरों को देखकर एकदम शीतल एवं शांति का अनुभव करता है।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

18 उत्तर

कवि हरिवंश राय बच्चन का साहित्यिक परिचय -

→ कवि हरिवंश राय बच्चन का जन्म उत्तर प्रदेश के इलाहबाद में 1904 में हुआ था।

→ ये उत्तर छायावाद के प्रमुख कवि थे।

→ इन्हें हालावाद का प्रवर्तक माना जाता है।

→ ये फारसी कवि 'उमर खैय्याम' के जीवन से बहुत प्रभावित हुए थे तथा उनकी रुबाइयों से प्रेरित होकर अमर काव्य कृति मधुशाला की रचना की।

→ ये परस्पर झगड़े के बजाय प्रेम को महत्व देते थे।

→ इन्हें ईश्क, रुमानियत आदि से भरी हुई कविताओं को लिखने का शौक था।

→ इनकी प्रमुख रचनाएँ - मधुशाला, मधुबाला, मधुकलश और निशा-निमन्त्रण आदि थी।

→ इनका देहान्त सन 2003 में हुआ था।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

19.
उत्तर नायिका नायक को पत्र इसलिए नहीं लिख पा रही है क्योंकि वे उससे दूर रहने के कारण अत्यन्त दुखी है और दुख के कारण उसके आंसू पत्र को भिगो देते है जिससे उसकी लिखावट मिट जाती है अर्थात अत्यन्त दुख के कारण वह पत्र नहीं लिख पा रही है।

20.
उत्तर प्रस्तुत वाक्य 'ममता' कहानी की मुख्य पात्र 'ममता' ने कहा। यह वाक्य ममता ने तब कहा ~~ज~~ जब मुगल बादशाह अकबर के सैनिक उसकी कुटिया में हुमायूं की याद में महल बनवाने आए थे। यह वाक्य कहते हुए ममता अपनी मृत्युशैया पर लेटी हुई थी।

खण्ड - घ

21.
उत्तर प्रस्तुत वाक्य कहानी की मुख्य पात्र सूबेदारनी होरा ने लहना सिंह से कहा है। सूबेदारनी ने ऐसा इसलिए कहा क्योंकि उसका पति एवं पुत्र दोनों युद्ध लड़ने के लिए सीमा पर गए हुए थे। उनकी प्राणों की रक्षा करने के लिए ही उसने ऐसा कहा।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

फीचर दिल को प्रभावित करता है।

iii) लेख में लेखा-जोखा मात्र रहता है जबकि फीचर एक प्रकार का गद्यगीत है।

27 उत्तर

पत्रकारिता के अनेक क्षेत्र है जैसे - फिल्म पत्रकारिता, खेल पत्रकारिता, अदालती पत्रकारिता, वाणिज्य पत्रकारिता आदि।

खेल पत्रकारिता :- समाचार पत्रों में खेल पत्रकारिता के लिए एक पृष्ठ अलग से होता है। इस पत्रकारिता में खेल जगत से संबंधित समस्त जानकारियों का समावेश होता है।

28. उत्तर

रिपोर्ताज - किसी वर्ण्य-विषय का आँखो देखा तथा कानों सुना ऐसा विवरण प्रस्तुत किया जाए जिससे की पाठक की हृदयतंत्री के तार झंकृत हो उठे और वो उसे भूल न सकें, रिपोर्ताज कहलाता है।

रिपोर्ताज की विशेषताएं निम्नलिखित है-

i) रिपोर्ताज में कलात्मकता होती है।

ii) इसमें सरसता का समावेश होता है।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या

परीक्षार्थी उत्तर

iii) तथ्यो के साथ भाव प्रवणता भी होती है।

29. उत्तर साहित्य में डायरी लेखन का अत्यन्त महत्व है क्योंकि इससे डायरीकार की संवेदनाओं का प्रकाशन होता है। डायरी लेखन से हमें हमारे व्यक्तित्व में आ रहे परिवर्तन का पता चलता है साथ ही हमें यह पता चलता है कि हमने हमारे जीवन में क्या खोया और क्या पाया। डायरी लेखन से हमें हमारे भविष्य को संवारने का मौका मिलता है।

8. उत्तर अधिसूचना प्रारुप -

P.T.O.

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर

है। अच्छा स्वास्थ्य हमें तभी प्राप्त हो सकता है जब हम अधिक से अधिक पोषक भोजन ले। यदि हम सही मात्रा में पोषक भोजन ग्रहण नहीं करते है तो इसका सीधा असर हमारे स्वास्थ्य पर पड़ता है। इसलिए हमें इस बात विशिष्ट रूप से ध्यान रखना चाहिए। साथ ही हमारे समय का ध्यान रखना चाहिए की किस समय हमें कौनसा कार्य करना है। इन सबका ध्यान रखते हुए हम स्वस्थ रह सकते है। कहा गया है कि -

स्वस्थ शरीर में स्वस्थ मस्तिष्क का निर्माण होता है।

अतः स्वस्थता के अनेक लाभ है।

iv) स्वास्थ्य के बिना हानि - उपर्युक्त पंक्तियों के माध्यम से सिद्ध हो चुका है कि हमारे जीवन में स्वास्थ्यता का अधिक महत्व होता है। यदि हम स्वस्थ नहीं होते है तो हमारे सभी कार्य बनने के बजाय बिगड़ जाते है। हर क्षेत्र में हम पिछड़ जाते है। अस्वस्थ रहने से हमें चिकित्सालयों में दवाइयों पर अधिक खर्चा करना पड़ता है जिससे हमारी आर्थिक स्थिति भी प्रभावित होती है। अस्वस्थ रहने से हमें अनेक क्षेत्रों में हानि होती है।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या

परीक्षार्थी उत्तर

v) उपसंहार - यह बात स्पष्टत: है स्वस्थ होने के अनेक लाभ है और अस्वस्थ होने के अनेक नुकसान है। इसलिए हमें हरसम्भव स्वस्थ रहने के प्रयास करने चाहिए।

समाप्त